दक्षता आधारित कार्य-पत्रक

विषय: हिन्दी कक्षा : नवीं

पाठ/प्रकरण का नाम : 'प्रेमचंद के फटे जूते'	**समयावधि :** 40 मिनट
विद्यार्थी का नाम : ----------	**पूर्णांक :** 20
अनुक्रमांक (रोल नं.) :	**दिनांक :** ...../...../.....

निर्देश:- **1. सभी प्रश्न अनिवार्य है | 2. कार्य-पत्रक में दिए गए स्थान पर ही उत्तर लिखें |**
3. लेखन कार्य की स्पष्टता एवं शुद्धता का विशेष ध्यान रखें |

	(गद्यांश आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए। तुम फोटो का महत्व नहीं समझते। समझते होते, तो किसी से फोटो खिंचाने के लिए जूते माँग लेते। लोग तो माँगे के कोट से बर-दिखाई करते हैं। और माँगे की मोटर से बारात निकालते हैं। फोटो खिंचाने के लिए तो बीवी तक माँग ली जाती है, तुमसे जूते ही माँगते नहीं बने! तुम फोटो का महत्व नहीं जानते। लोग तो इत्र चुपड़कर फोटो खिंचाते हैं जिससे फोटो में खुशबू आ जाए! गंदे से गंदे आदमी की फोटो भी खुशबू देती है।	5
1	1.फोटो खिंचाने के लिए लोग क्या करते हैं? 1. जूते माँग लेते 2. मोटर माँग लेते 3. बीवी माँग लेते 4. कोट माँग लेते	1
	(क)कथन(1)और (2)	
	(ख)1,2, 3,और 4	
	(ग)केवल(4)और (2)	
	(घ)केवल(1)	
2.	प्रेमचंन्द किसका महत्व नहीं जानते– 1. फोटो का 2. मोटर का 3. बीवी का 4. कोट का	1
	(क)1और 3	
	(ख) 3 और 4	
	(ग) केवल 4	
	(घ)केवल 1	

egyanadhive

3.	कौनसा कथन सही नहीं है 1.लोग तो इत्र चुपड़कर फोटो खिंचाते हैं 2.गंदे आदमी की फोटो खुशबू नहीं देती है 3. लोग मोटर माँगके बारात निकालते हैं 4. फोटो खिंचाने के लिए तो बीवी तक माँग ली जाती है	1
	(क) कथन 3 और 4	
	(ख) केवल 2	
	(ग) 4 और 1	
	(घ) केवल 3	
4.	प्रेमचंद से क्या नहीं माँगा जाता – 1. फोटो 2. मोटर 3. जूता 4. कोट	1
	(क) केवल 3	
	(ख) 3 और 4	
	(ग) 4और 1	
	(घ) केवल 2	
5.	**उक्त गद्यांश के पाठ का नाम एवं लेखक हैं**	1
	(क)'प्रेमचंद के फटे जूते'-प्रेमचंद	
	(ख)'साँवले सपनों की याद '- जाबिर हुसैन	
	(ग)'मेरे बचपन के दिन'-महादेवी वर्मा	
	(घ)'प्रेमचंद के फटे जूते'-हरिशंकर परसाई	
	(पाठ आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
6.	इस पाठ के लेखक ने व्यंग्य करते हुए कहा है कि:- 1. प्रेमचंद बहुत अच्छे इंसान है 2. लोग दिखावटी हैं 3. लोग इत्र लगाकर खुशबूदार फोटो खिंचवाते हैं 4. प्रेमचंद एक गरीब आदमी है	1
	(क)कथन(1)और (2)	
	(ख)कथन(3)और (1)	
	(ग)केवल(4)और (2)	
	(घ)केवल(3)	
7.	सही कथन का चयन कीजिए	1

egyanarchive

	(क) बाएँ पाँव का जूता ठीक है मगर दाहिने जूते में बड़ा छेद हो गया है जिसमें से उंगली बाहर निकल आई है। (ख) लोग तो इत्र चुपड़कर फोटो खिंचाते हैं जिससे फोटो में खुशबू आ जाए। (ग) तुम्हारी यह व्यंग्य मुस्कान मेरे हौसले बढ़ाती है। (घ) जिसे तुम घृणित समझते हो, उसकी तरफ अँगूठे से इशारा करते हो?	
	(क) कथन(क),(ग) और (ख)	
	(ख) कथन(ग) और (ख)	
	(ग) केवल (ख)	
	(घ) कथन (क) और (ख)	
8.	इनमें से कौन सी रचना प्रेमचंद जी की है? 1. भूत के पांव पीछे 2. गोदान 3. हंसते हैं रोते हैं कोई 4. रंगभूमि	1
	(क) 1 और 2	
	(ख) 3 और 2	
	(ग) 1 और 4	
	(घ) 2 और 4	
9.	इस पाठ के अनुसार लेखक कभी क्या नहीं कर सकते थे? 1. दिखावटी समाज का विरोध 2. प्रेमचंद जी का अपमान 3. फटे हुए जूते पहन कर फोटो खिंचवाना 4. इनमें से कोई नहीं	
	(क) केवल 2	
	(ख) केवल 3	
	(ग) 1 और 4	
	(घ) 2 और 4	
10.	'प्रेमचंद के फटे जूते' पाठ के माध्यम से लेखक ने किस पर तीखा प्रहार किया है? 1. समाज की अनेक विषमताओं और बुराइयों पर 2. समाज की गरीबी पर 3. समाज के बेरोजगार लोगों पर 4. कोई अन्य	
	(क) केवल 1	
	(ख) केवल 3	
	(ग) 3 और 4	

egyanarchive

	(घ) 1 और 2	
	(वर्णनात्मक प्रश्न)	
11.	प्रेमचंद के फटे जूते को आधार बनाकर परसाई जी ने यह व्यंग्य लिखा है। आप भी किसी व्यक्ति की पोशाक को आधार बनाकर एक व्यंग्य लिखिए।	2
	उत्तर:- ----------	
12.	पाठ में एक जगह पर लेखक सोचता है, कि 'फोटो खिंचाने की अगर यह पोशाक है तो पहनने की कैसी होगी?' लेकिन अगले ही पल वह विचार बदलता है कि 'नहीं, इस आदमी की अलग-अलग पोशाकें नहीं होंगी।' आपके अनुसार इस संदर्भ में प्रेमचंद के बारे में लेखक के विचार बदलने की क्या वजहें हो सकती हैं?	2
	उत्तर:- ----------	
13.	आपने यह व्यंग्य पढ़ा। इसे पढ़कर आपको लेखक की कौन-सी बातें आकर्षित करती हैं?	2
	उत्तर:- ----------	
14.	आपकी दृष्टि में वेश-भूषा के प्रति लोगों की सोच में आज क्या परिवर्तन आया है?	2
	उत्तर:- ----------	
15.	पाठ में आए मुहावरे छाँटिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।	2
	उत्तर:- ----------	

उत्तरमाला

प्रश्न	दक्षता/उद्देश्य	उत्तर	
		(गद्यांश आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
1.	ज्ञानात्मक	**उत्तर:-** (ख)1,2, 3,और 4	1
2.	बोधात्मक	**उत्तर:-** (घ) केवल(1)	1
3.	**विश्लेषण**	**उत्तर:-** (ख)केवल (2)	1
4.	अवबोध	**उत्तर:-** (क) केवल (3)	1
5.	स्मरण	**उत्तर:-** (घ)'प्रेमचंद के फटे जूते'-हरीशंकर परसाई	1
		(पाठ आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
6.	ज्ञानात्मक	**उत्तर:-** (घ) केवल (3) **लोग इत्र लगाकर खुशबूदार फोटो खिंचवाते हैं**	1
7.	अवबोध	**उत्तर:-** (ग)केवल (ख) लोग तो इत्र चुपड़कर फोटो खिंचाते है जिससे फोटो में खुशबू आ जाए।	1
8.	स्मरण	**उत्तर:-** (घ) 2 और 4	1
9.	ज्ञानात्मक	**उत्तर:-** (ख) केवल 3 फटे हुए जूते पहन कर फोटो खिंचवाना।	1
10.	बोधात्मक	(क) केवल 1 समाज की अनेक विषमताओं और बुराइयों पर।	1
		(वर्णनात्मक प्रश्न)	
11.	**रचनात्मक**	**उत्तर:- (अध्यापक अपने विवेक से उत्तर जांचे)** महावीर प्रसाद द्विवेदी एक प्रसिद्ध रचनाकार हैं। जीवन भर इन्होंने सरस्वती की उपासना की। इसी कारण लक्ष्मी इनसे रुठी रही। अरे भाई ! अगर थोड़ी सी पूजा लक्ष्मी जी की भी कर देते तो क्या सरस्वती रुष्ट हो जाती। आपके अन्य मित्रों ने तो सफलता की सीढ़ी पार कर ली परन्तु इस दौर में आप थोड़े पीछे रह गए। अगर थोड़ा मन लगाकर चलते तो अकेले नहीं रह जाते।	2
12.	बोधात्मक	**उत्तर:- (अध्यापक अपने विवेक से उत्तर जांचे)** प्रेमचंद का व्यक्तित्व सादगी भरा था। वे जैसे बाहर थे वैसे ही मन से भी थे। प्रायः लोगों के व्यक्तित्व में भिन्नता होती है। वे दिखाई कुछ देते हैं और होते कुछ हैं। अलग-अलग पोशाक' से लेखक का यही आशय है। परंतु प्रेमचंद के बारे में उसे विश्वास है कि उसके व्यक्तित्व में यह अंतर नहीं हो सकता। इसलिए वह विचार बदल लेता है।	2
13.	**विश्लेषण**	**उत्तर:-(अध्यापक अपने विवेक से उत्तर जांचे)** प्रस्तुत व्यंग्य पढ़ने के बाद लेखक की कई बातें अपनी ओर आकर्षित करती हैं। लेखक पारखी नजर रखता है। वह प्रेमचंद की फोटो देखकर यह अनुमान लगा लेता है कि ऐसा व्यक्तित्व दिखावे से कोसों दूर है। उसे प्रेमचंद के चेहरे पर लज्जा, संकोच की जगह बेपरवाही और विश्वास दिखाई देता है। वह प्रेमचंद की अधूरी मुस्कान को व्यंग्य कहता है।उनके द्वारा फोटो का महत्व समझाने की बात भी आकर्षित करती है। आज लोग उधार माँगकर अपने जीवन के अहम् कार्यों को सिरे पहुँचाते हैं। लोग इत्र लगाकर खुशबूदार फोटो खिंचवाना चाहते हैं। लेखक द्वारा दिखावे में विश्वास रखने की बात भी आकर्षित करती है। वे स्वयं दुख उठाते हुए भी दूसरों को उसका आभास	2

eGyanarchive

		भी नहीं होने देना चाहते हैं।	
14.	**मूल्यबोध**	**उत्तर:-(अध्यापक अपने विवेक से उत्तर जांचे)** आज का समाज वेश-भूषा को बहुत महत्व देने लगा है। वेशभूषा को सामाजिक प्रतिष्ठा का सूचक माना जाने लगा है। लोग उस व्यक्ति को ज्यादा आदर और सम्मान देने लगे हैं जिसकी वेशभूषा अच्छी हो।	2
15.	**अनुप्रयोग**	**उत्तर:-(अध्यापकअपनेविवेकसेउत्तरजांचे) 1. ठोकर मारना –** जख्मी करना। वाक्य – मंजिल तक पहुंचते-पहुंचते राहुल को काफी ठोकरों का सामना करना पड़ा **. होंसला पस्त करना –** उत्साह नष्ट करना। वाक्य – भारतीय सैनिकों ने अपने शौर्य से पाकिस्तानी सैनिकों के हौसले पस्त कर दिए। **3. टीला खड़ा होना –** बाधाएं आना। वाक्य – जीवन जीना सरल नहीं है। यहां पग-पग पर टीले खड़े हैं। **4. जंजीर होना –** बंधन होना। वाक्य – स्वतंत्रता से जीने वाला व्यक्ति कभी किसी जंजीर में नहीं बांधता।	2

egyanarchive